



राजस्थान सरकार



RSCERT Udaipur



हवामहल

कोरोना समय में बच्चों का झरोखा



20 अगस्त 2022: शनिवार: वर्ष - 03: अंक - 18

इंद्रधनुष

आज की कविता

आसमान में जो सबसे रंग बिरंगी चीज है वो इंद्रधनुष है। नीला, पीला, लाल, बैंगनी, हरा, नारंगी और जामुनी रंग। जैसे हम इन्सान इस धरती पर विविध रंग हैं वैसे आसमान में यह इंद्रधनुष। सात अलग अलग रंग लेकिन सब एकजुट। रंगबिरंगी यह कविता सुनने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



3+ वर्ष के बच्चों के लिए | Bookbox

बस अब और नहीं

आज की कहानी

क्या हम जानते हैं हमारे द्वारा फेका गया प्लास्टिक कचरा कहाँ-कहाँ का सफर तय करके अंत में कहाँ जाता है? सब कुछ समुन्द्र में जाकर प्लास्टो बन जाता है और सालों साल वहीं मंडराता रहता है। समुन्द्र कचराघर बन गया है। बस अब और नहीं फेकना है समुन्द्र में कचरा। सुनते हैं कचरे की ये कहानी।

WASTE
NO MORE

6+ वर्ष के बच्चों के लिए | RSCERT Udaipur

राजू की पहली उड़ान

आज की किताब

उड़ना किसको पसंद नहीं होता? आज राजू के लिए एक विशेष दिन था। क्यों न हो आखिर, राजू आसमान में उड़ने की इतने दिनों से तैयारी जो कर रहा था। क्या वास्तव में राजू आसमान में उड़ पाया? आईये जुड़िये राजू की पहली उड़ान से। चित्र पर क्लिक कर कहानी पढ़ें।

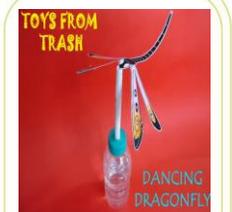


6+ वर्ष के बच्चों के लिए | Room to Read

नाचने वाला ड्रेगनफ्लाई

आज की गतिविधि

हम सबने बचपन में ड्रेगनफ्लाई को पकड़ने का जतन जरूर किया होगा। लंबी पूंछवाला ये पतंगा हमें हेलीकॉप्टर का जीता जागता मॉडल लगता था। आइए आज मामूली सामान की मदद से हम नाचने वाला ड्रेगनफ्लाई बनाना सीखते हैं। गतिविधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

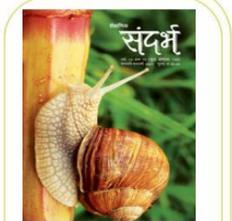


6+ वर्ष के बच्चों के लिए | Arvindguptatoys.com

लाला जी के लड्डू

टीचर्स कॉर्नर

कोई लालजी की मूँछों पर बात करना चाहता है तो कोई उनके लड्डुओं पर। कक्षा में बात चल पड़ी है और एक कविता पोस्टर पर सबकी निगाहें हैं। नंदा शर्मा अपने इस आलेख में बता रही हैं कि किस तरह एक कविता से भाषा शिक्षण हो रहा है। आलेख पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।



शिक्षकों के लिए | Sandarbh

कैसे बसा डूंगरपुर?

हमारा पुस्तकालय

वागड़ का डूंगरिया भील राजा आसपास के व्यापारियों से खूब कर लेता था। एक सेठ की बेटी की वजह से डूंगरिया भील राजा ने कुछ ऐसा कदम उठाया कि उसका पतन शुरू हो गया। फिर कैसे बसा डूंगरपुर? सुनते हैं ये भील लोक कथा। चित्र पर क्लिक करें



भोलों
की
लोक-कथाएँ

शिक्षकों के लिए | RSLPP



#सबपढ़ें

#सबबढ़ें

साथियों, हवामहल का 121 वाँ अंक आपके हाथों में है। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोड़िए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।



आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।